

**M-2019(SE)/GS-IV**

अनुक्रमांक / Roll No.

--	--	--	--	--	--

परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक यहाँ लिखें।

Candidate should write his/her Roll No. here.

	पुस्तिका क्रम संख्या Booklet Serial No.
--	--

कुल प्रश्नों की संख्या : 4

Total No. of Questions : 4

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 8

No. of Printed Pages : 8

M-2019(SE)/GS-IV
सामान्य अध्ययन
GENERAL STUDIES
चतुर्थ प्रश्न-पत्र
FOURTH PAPER

समय : 03 घंटे]

Time : 03 Hours]

[पूर्णांक : 200

[Total Marks : 200

खण्ड - 'अ' / SECTION - 'A'

प्रश्न : 1. इस प्रश्न में 15 अतिलघुउत्तरीय उप-प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 20 शब्दों में देना है।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंकों का है।

15×3=45

Que. : 1. This question contains 15 very short answer type sub-questions. Answer **each** question in maximum 20 words. **All** questions are **compulsory**. **Each** question carries **03 (three)** marks.

प्रश्न : (1.1) मनोवृत्ति को परिभाषित कीजिए।

3

Define attitude.

प्रश्न : (1.2) मनोवृत्ति के दो महत्वपूर्ण कार्य लिखिए।

3

Write two important functions of attitude.

प्रश्न : (1.3) अनुनयी संचार से आप क्या समझते हैं ?

3

What do you understand by persuasive communication ?

प्रश्न : (1.4) पूर्वाग्रह एवं भेदभाव में क्या अन्तर है ?

3

What is the difference between prejudice and discrimination ?

प्रश्न : (1.5) बुद्धि से आप क्या समझते हैं ?

3

What do you mean by intelligence ?



- प्रश्न : (1.6) लोक प्रशासन में सत्यनिष्ठा क्यों आवश्यक है ? 3
Why is integrity necessary for civil administration ?
- प्रश्न : (1.7) पं. दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद की व्याख्या कीजिए । 3
Explain Ekatma Manavavada of Pt. Deendayal Upadhyay.
- प्रश्न : (1.8) नैतिक मूल्य कौन-से हैं ? 3
What are moral values ?
- प्रश्न : (1.9) गाँधी के सत्याग्रह सिद्धांत की चर्चा कीजिए । 3
Discuss Gandhi's theory of Satyagraha.
- प्रश्न : (1.10) वस्तुनिष्ठता से आप क्या समझते हैं ? 3
What do you mean by objectivity ?
- प्रश्न : (1.11) सुशासन क्या है ? 3
What is good governance ?
- प्रश्न : (1.12) प्रशासनिक सेवाओं में पारदर्शिता क्यों ज़रूरी है ? 3
Why is transparency important in administrative services ?
- प्रश्न : (1.13) राजा राममोहन राय द्वारा समाज के सुधार हेतु किए गए प्रयासों की चर्चा कीजिए । 3
Discuss the efforts made by Raja Ram Mohan Roy to reform the society.
- प्रश्न : (1.14) भ्रष्टाचार के मुख्य कारण कौन-से हैं ? 3
What are the main causes of corruption ?
- प्रश्न : (1.15) व्हिसलब्लोअर (Whistleblower) से आप क्या समझते हैं ? 3
What do you understand by Whistleblower ?

खण्ड - 'ब' / SECTION - 'B'

- प्रश्न : 2. निम्नलिखित में से किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में लिखिए । प्रत्येक प्रश्न 06 (छः) अंकों का है । 15×6=90
- Que. : 2. Write the answers of any 15 of the following questions in maximum 150 words. Each question carries 06 (six) marks.
- प्रश्न : (2.1) मनोवृत्तियों के विकास तथा निर्माण की चर्चा कीजिए । 6
Discuss the development and formation of attitudes.
- प्रश्न : (2.2) रूढ़ियुक्तियों की विशेषताएँ बताते हुए इनके भारतीय समाज में विकसित होने के कारणों की विवेचना कीजिए । 6
By explaining the characteristics of stereotypes, discuss the reasons for their development in Indian society.
- प्रश्न : (2.3) अभिक्षमता से आप क्या समझते हैं ? विभिन्न अभिक्षमता परीक्षणों की चर्चा कीजिए । 6
What do you understand by aptitude ? Discuss various aptitude tests.
- प्रश्न : (2.4) संवेगात्मक बुद्धि के प्रमुख घटकों की चर्चा कीजिए । 6
Discuss the main components of emotional intelligence.



- प्रश्न : (2.5) एक लोक सेवक में सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता एवं समर्पण क्यों आवश्यक होते हैं ? 6
Why are integrity, impartiality and dedication essential in a civil servant ?
- प्रश्न : (2.6) एक लोक सेवक के लिए 'सहिष्णुता' तथा 'कमज़ोर वर्गों के प्रति सहानुभूति' जैसे गुण क्यों आवश्यक होते हैं ? 6
Why are qualities like 'tolerance' and 'sympathy towards weaker sections' necessary for a civil servant ?
- प्रश्न : (2.7) लोक सेवकों के लिए 'आचरण संहिता' का महत्व बताइए । 6
State the importance of 'Codes of Conduct' for civil servants.
- प्रश्न : (2.8) क्या बुद्ध के 'अष्टांगिक मार्ग' लोक सेवकों के लिए नैतिक मार्गदर्शक हो सकते हैं ? 6
टिप्पणी कीजिए ।
Can the 'Eightfold Path' of Buddha be the ethical guide for civil servants ? Comment.
- प्रश्न : (2.9) विवेकानंद के 'सार्वभौमिक धर्म' की प्रमुख विशेषताएँ बताइए । 6
State the salient features of Vivekananda's 'Universal Religion'.
- प्रश्न : (2.10) लोक प्रशासन के बारे में कौटिल्य के विचारों की चर्चा कीजिए । 6
Discuss Kautilya's views regarding civil administration.
- प्रश्न : (2.11) क्या 'साधन' साध्य को प्रमाणित करता है ? टिप्पणी कीजिए । 6
Do the 'means' justify the ends ? Comment.
- प्रश्न : (2.12) टैगोर के 'मानवतावाद' की अवधारणा बताइए । 6
State Tagore's concept of 'Humanism'.
- प्रश्न : (2.13) "रोकथाम उपचार से बेहतर है ।" भ्रष्टाचार के संदर्भ में टिप्पणी कीजिए । 6
"Prevention is better than cure." Comment in the context of corruption.
- प्रश्न : (2.14) भ्रष्टाचार के दुष्प्रभाव बताइए । 6
State the ill-effects of corruption.
- प्रश्न : (2.15) भ्रष्टाचार को कम करने में परिवार की भूमिका स्पष्ट कीजिए । 6
Point out the role of family to minimize corruption.
- प्रश्न : (2.16) वर्तमान परिदृश्य में लोक सेवकों द्वारा किन नैतिक दुविधाओं का सामना किया जाता है ? 6
What ethical dilemmas are faced by civil servants in the present scenario ?
- प्रश्न : (2.17) सुशासन के आठ मुख्य घटकों की चर्चा कीजिए । 6
Discuss the eight main components of good governance.
- प्रश्न : (2.18) भ्रष्टाचार उन्मूलन में ऑडिट व्यवस्था की भूमिका बताइए । 6
State the role of audit system to eliminate corruption.



खण्ड - 'स'/SECTION - 'C'

नोट : प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित हैं। प्रश्नों पर अंकों का वितरण क्रमशः प्रश्न क्रमांक (3) + (4) = अंक (30 + 35) = 65। इस प्रश्न में आंतरिक विकल्प है। अभ्यर्थी जिस आंतरिक विकल्प का उत्तर दे रहे हैं, उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के प्रारंभ में अनिवार्यतः करें।

Note : Questions No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively Questions No. (3) + (4) = Marks (30 + 35) = 65. There is an internal option in this question. The mention of the internal option of the candidate must be made explicitly before the answer.

प्रश्न : 3. पाठ्यक्रम में सम्मिलित विषय-वस्तु पर आधारित प्रकरण : केस स्टडी-1

3×10=30

आप एक पुलिस अधिकारी हैं। एक दिन आपको एक महिला फोन करके कहती है कि उसे, उसके पति और उसके परिवार को उसके पिता से जान का खतरा है, क्योंकि उसने कुछ दिन पहले घर से भाग कर अपनी मर्जी से अंतरजातीय विवाह किया है। इस विवाह से उसके पिताजी और पूरा परिवार नाराज़ हैं और उसे धमकी दी है कि वो उसे, उसके पति और उसके ससुराल वालों को जीवित नहीं छोड़ेंगे। उसने सम्बन्धित थाने में इस सम्बन्ध में प्राथमिकी (एफ.आई.आर.) दर्ज कराने की कोशिश की लेकिन वहाँ के अधिकारियों ने उसकी एफ.आई.आर. दर्ज नहीं की। वह अभी किसी गुप्त स्थान पर अपने ससुराल पक्ष के लोगों के साथ छुपी हुई है। यदि आप उसे सुरक्षा देने का वादा करें तो वह आपके पास आ सकती है, और इसके बाद वह फोन काट देती है।

उस महिला के फोन कटते ही आपके पास आपके वरिष्ठ अधिकारी का फोन आता है कि उनकी भतीजी ने घर से भाग कर अपनी मर्जी से अंतरजातीय विवाह कर लिया है। इससे उनके परिवार को बिरादरी में बड़ा अपमानित होना पड़ा है और वे इसे अपने परिवार पर कलंक मानते हैं। वह और उनका परिवार उन सबसे इसका बदला लेना चाहते हैं। उन्हें इस बात की जानकारी हो गयी है कि वह लोग इस समय कहाँ छुपे हुए हैं। वह आपको आदेश देते हैं कि आप उसके पति और पूरे परिवार को उनके बताये हुए स्थान से गिरफ्तार करके किसी ऐसे फर्जी अपराध में फँसा दें जिससे उनकी जमानत भी न होने पाये और उसका पूरा परिवार वर्षों तक जेल में पड़ा रहे। आप अंतरजातीय विवाह के विरोधी नहीं हैं और आप उनका प्रतिरोध करते हैं, तो वह आपको भी धमकी देते हैं कि आपका वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (ए.सी.आर.) उनके पास है और आपने यदि उनका कहा नहीं माना तो वह उसमें प्रतिकूल प्रविष्टि करेंगे जिसके परिणामस्वरूप इस वर्ष आपकी होने वाली पदोन्नति भी नहीं होगी।

**Case study based on the contents of syllabus : Case Study-1**

You are a police officer. One day you get a call from a lady saying that she, her husband and her family are facing a life threat from her father as she had run away from home a few days ago and entered into an inter-caste marriage of her own free will. Her father and entire family are angry with this marriage and have threatened her that they will not leave her, her husband and her in-laws alive. She tried to register an FIR in this regard in the concerned police station but the officials there did not register her FIR. She is now hiding in some secret place with her in-laws. She may come to you if you promise to protect her, and then she hangs up.

As soon as the lady disconnects the call, you get a call from your senior officer that his niece has run away from home and got into an inter-caste marriage of her own free will. Due to this, his family has been humiliated in the fraternity and he considers it a stigma on his family. He and his family want to take revenge from all of them. They have come to know where these people are hiding at this time. He orders you to arrest her husband and the entire family from the place told by him and implicate them in such a false crime that they cannot even get bail and their entire family remains in jail for years. You are not against inter-caste marriages and you oppose him, then he also threatens you that he has your Annual Confidential Report (ACR) with him and if you do not obey him, he will make adverse entries in it, as a result, your promotion due this year will not happen. <https://www.pyqonline.com>

उपर्युक्त प्रकरण के परिप्रेक्ष्य में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

प्रत्येक प्रश्न का अधिकतम 150 शब्दों में उत्तर दीजिए । प्रत्येक प्रश्न 10 (दस) अंकों का है ।

Answer the following questions in the light of above mentioned case study :

Answer **each** question in maximum 150 words. **Each** question carries 10 (ten) marks.

प्रश्न : (3.1) उपर्युक्त मामले में आप किस नैतिक दुविधा का सामना कर रहे हैं ?

In the above case, which ethical dilemma is being faced by you ?

प्रश्न : (3.2) इस स्थिति में आप कौन-कौन सी विभिन्न कार्रवाई कर सकते हैं ?

What are the various courses of action you may take in this situation ?

प्रश्न : (3.3) इस मामले में आपके द्वारा की जाने वाली कार्रवाई के उभय पक्षों (पक्ष और विपक्ष) को लिखिए ।

Write down the pros and cons of the course of action you would take in this case.

अथवा/OR



प्रश्न : 3.

पाठ्यक्रम में सम्मिलित विषय-वस्तु पर आधारित प्रकरण : केस स्टडी-2

3×10=30

आपकी जिस जिले में तैनाती है वहाँ अभी कुछ माह पहले ही सड़कें बनी हैं। अधिक लाभ कमाने के लिए सड़क बनाने वाली फर्म ने मानक से कम गुणवत्ता वाले कच्चे माल का इस्तेमाल किया, नतीजतन सड़क टूटने लगी और सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे बन गये। इन गड्ढों के कारण अक्सर सड़क पर दुर्घटनाएँ होने लगीं। लोगों ने जब इसकी लिखित शिकायत की, तब सड़क की गुणवत्ता जाँचने के लिये एक जाँच समिति बनायी गयी।

आपको सड़क की गुणवत्ता की जाँच समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। जाँच समिति ने पाया कि सड़क बनाने में निम्न स्तर की सामग्री का उपयोग किया गया था और काम भी ढंग से नहीं किया गया था, इसीलिए सड़क टूट रही थी और उसमें जगह-जगह गड्ढे बन रहे थे।

आप जाँच समिति का प्रतिवेदन भेजने के लिए उसका टंकण करवा रहे थे कि तभी आपको सड़क बनाने वाली फर्म के मालिक का फोन आता है। उसे गुप्त सूत्रों से पता चला है कि आप क्या रिपोर्ट देने वाले हैं। वह आपको रिपोर्ट को बदलने के लिए कहता है। वह आपसे कहता है कि आप ऐसी रिपोर्ट बनाएँ कि उसकी फर्म ने गुणवत्तापूर्ण काम किया है और यह स्पष्ट हो कि सड़क प्राकृतिक कारणों से खराब हुई है। यदि आप उसकी बात मान लेते हैं तो वह आपको एक अच्छी रकम देगा, जिससे आपके परिवार को वर्षों तक धन की कमी नहीं रहेगी अन्यथा परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहने की धमकी देता है। आप फर्म के मालिक की आपराधिक प्रवृत्ति और उसके ऊँचे रसूख से वाकिफ हैं।

Case study based on the contents of syllabus : Case Study-2

In the district where you are posted, roads have been built only a few months ago. To make more profit, the road building firm used sub-standard quality raw material, as a result, the road started breaking down and huge potholes formed on the road. Due to these pits, accidents often started happening on the road. When people made a written complaint about this, then an inquiry committee was formed to check the quality of the road.

You have been made the chairman of the road quality inspection committee. The inquiry committee found that low-quality material was used in the construction of the road and the work was not done properly, due to which the road was crumbling and potholes were being formed in it at many places.

You were getting the report of the inquiry committee typed for sending, when you get a call from the owner of the road construction firm. He has come to know from secret sources what report you are going to give. He asks you to change the report. He asks you to make a report that his firm has done quality work and that it is clear that the road is damaged due to natural causes. If you obey him, he will give you a good amount, so that your family will not be short of money for years, otherwise he threatens you to be ready to face the consequences. You are aware of the criminal tendency of the owner of the firm and his high clout.

उपर्युक्त प्रकरण के परिप्रेक्ष्य में निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

प्रत्येक प्रश्न का अधिकतम 150 शब्दों में उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 (दस) अंकों का है।

Answer the following questions in the light of above mentioned case study :

Answer **each** question in maximum 150 words. **Each** question carries 10 (ten) marks.



प्रश्न : (3.1) उपर्युक्त मामले में आप किस प्रकार की नैतिक दुविधाओं से गुजर रहे हैं ?

What kind of ethical dilemmas are you facing in the above case ?

प्रश्न : (3.2) इस स्थिति में आपके पास कौन-कौन से विकल्प उपलब्ध हैं ?

What are the options available to you in this situation ?

प्रश्न : (3.3) इस मामले में आपके द्वारा उठाए जाने वाले कदम के पक्ष और विपक्ष की समीक्षा कीजिए ।

In this case, review the pros and cons of the course of action you would take.

नोट : प्रश्न क्रमांक (3) तथा (4) प्रकरण अध्ययन पर आधारित हैं । प्रश्नों पर अंकों का वितरण क्रमशः प्रश्न क्रमांक (3) + (4) = अंक (30 + 35) = 65 ।

Note : Questions No. (3) and (4) are based on case studies. Distribution of marks on questions respectively Questions No. (3) + (4) = **Marks (30 + 35) = 65.**

प्रश्न : 4. पाठ्यक्रम में सम्मिलित विषय-वस्तु पर आधारित प्रकरण : केस स्टडी-3

5×7=35

धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार की अवधारणाओं को कई तरीकों से परिभाषित किया जा सकता है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि इसे किस संदर्भ में प्रयुक्त किया गया है । सभ्यताओं के इतिहास को देखें, तो अतीत और वर्तमान दोनों में, भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी सभी समाजों में प्रमुख समस्याओं के रूप में मौजूद रही है । यह सभी प्रकार की शासन प्रणालियों में मौजूद रहा, चाहे वह राजतंत्र, सैन्य तानाशाहों के शासन, धार्मिक शासन या लोकतांत्रिक समाजों में निर्वाचित अधिकारियों द्वारा नियंत्रित शासन ही क्यों न हों । भ्रष्टाचार के संबंध में, यदि सत्ता की स्थिति में ऐसे लोग हैं जिनके पास निर्णय लेने और संसाधन आबंटित करने का अवसर है, तो भ्रष्टाचार का अवसर मौजूद है । संक्षेप में, भ्रष्टाचार लगभग किसी भी संगठन या समूह में पाया जा सकता है, जिसमें किसी प्रकार की शक्ति संरचना है जैसे व्यवसाय और वाणिज्यिक उद्यमों, सार्वजनिक सेवा एजेंसियों, जैसे कि पुलिस और कल्याण एजेंसियों, अस्पतालों, नर्सिंग होम, शैक्षणिक संस्थानों, धार्मिक संगठन, और सरकारी एजेंसियाँ । भ्रष्टाचार को गैरकानूनी लाभ प्राप्त करने के लिए शक्ति के दुरुपयोग के रूप में परिभाषित किया गया है । भ्रष्टाचार में लिप्त होने के लिए, एक व्यक्ति को किसी प्रकार की शक्ति का पद धारण करना चाहिए जो व्यक्ति को अनुचित कार्रवाई करने के लिए स्थिति का दुरुपयोग करने का अवसर देता है, या स्थिति की ज़िम्मेदारियों से संबंधित मामलों पर कार्रवाई करने में विफल रहता है । भ्रष्टाचार में संलिप्त व्यक्ति आमतौर पर स्व-हितों से प्रेरित होता है, जैसे धन प्राप्त करना, पदोन्नति, या कुछ मामलों में मामलों के परिणाम को प्रभावित करने वाले प्रभाव के रूप में जाना जाने की इच्छा । एक भ्रष्ट कार्य में शामिल होने के लिए आमतौर पर अधिकांश अपराधिक संहिताओं में अपराध के रूप में परिभाषित किया जाता है, लेकिन भ्रष्टाचार चोरी, ग़बन और धोखाधड़ी जैसे अन्य अपराधों को करने के लिए एक तंत्र या वाहन भी है ।

**Case study based on the contents of syllabus : Case Study-3**

The concepts of fraud and corruption can be defined in a number of ways, depending on the context in which it is used. Throughout the history of civilizations, corruption and fraud have been present as major problems in all societies, both past and present. It has been present in all forms of governance, be it monarchies, regimes of military dictators, religious regimes or regimes controlled by elected officials in democratic societies. With regard to corruption, if there are people in positions of power who have the opportunity to make decisions and allocate resources then the opportunity for corruption exists. In short, corruption can be found in almost any organization or group that has some sort of power structure such as businesses and commercial enterprises, public service agencies, such as police and welfare agencies, hospitals, nursing homes, educational institutions, religious organizations, and government agencies. Corruption is defined as the misuse of power to obtain illegal advantage. To engage in corruption, a person must hold a position of power of some kind that gives the person an opportunity to abuse the position to take improper action, or fail to act on matters related to the responsibilities of the position. A person engaging in corruption is usually motivated by self-interest such as obtaining money, promotion, or in some cases a desire to be known as having influence that affects the outcome of cases. To engage in a corrupt act is generally defined as a crime in most criminal codes, but corruption is also a mechanism or vehicle for other crimes such as theft, embezzlement, and fraud.

(संदर्भ ग्रंथ : *Fraud and Corruption : Major Types, Prevention, and Control* edited Kratcoski and Maximilian Edelbacher, Springer International Publishing, Ed no. 1)

उपर्युक्त प्रकरण के परिप्रेक्ष्य में निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में दीजिए । प्रत्येक प्रश्न 07 (सात) अंकों का है ।

Answer the following questions in the light of above mentioned case study, in maximum 100 words **each**. **Each** question carries 07 (seven) marks.

- प्रश्न : (4.1) भ्रष्टाचार को परिभाषित कीजिए ।
Define corruption.
- प्रश्न : (4.2) भ्रष्टाचार का मूल कारण क्या है ?
What is the root cause of corruption ?
- प्रश्न : (4.3) भ्रष्टाचार का निवारण कैसे किया जा सकता है ?
How can corruption be prevented ?
- प्रश्न : (4.4) भ्रष्टाचार अर्थव्यवस्था को कैसे प्रभावित करता है ?
How does corruption affect the economy ?
- प्रश्न : (4.5) भ्रष्टाचार समाज को कैसे प्रभावित करता है ?
How does corruption affect the society ?